लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *1

07 दिसंबर, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

निटवियर का निर्यात

***1. डॉ. पोन गौतम सिगामणि:**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या तिरुपुर से होने वाले निटवियर के निर्यात शिपमेंट में विगत एक वर्ष से मास दर मास धीरे-धीरे कमी आ रही है और यदि हां, तो उसका तिमाही-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या तिरुपुर में परिधान निर्यात इकाइयों की औसत क्षमता उपयोग घटकर अब 30% रह गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या शिपमेन्ट आस्थगित होने के कारण तिरुपुर की अधिकांश इकाइयों के पास बकाया तैयार माल बहुत बड़ी मात्रा में विद्यमान है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और तिरूपुर से परिधानों के निर्यात शिपमेंट में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'निटवियर के निर्यात के संबंध में डॉ. पोन गौतम सिगामणि द्वारा दिनांक 07.12.2022 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *1 के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क): निर्यात मांग और आपूर्ति का एक कार्य है और यह समय-समय पर अधिशेष निर्माण क्षमता, ऑर्डर प्रवाह, शिपिंग कंटेनरों और जहाजों की उपलब्धता आदि के आधार पर भिन्न-भिन्न होता है।

तिरूपुर से तिमाहीवार निटवियर का निर्यात का विवरण (अध्याय 61 के तहत) निम्न प्रकार है:

अवधि	निर्यात (यूएसडी बिलियन)
तिमाही3 वित्त वर्ष 21-22 (अक्तूबर-दिसंबर 21)	1.107
तिमाही4 वित्त वर्ष 21-22 (जनवरी-मार्च 22)	1.160
तिमाही1 वित्त वर्ष 22-23 (अप्रैल-जून 22)	1.203
तिमाही2 वित्त वर्ष 22-23 (जुलाई-सितंबर 22)	0.974

स्रोत : डीजीसीआई एंड एस

(ख): वर्तमान में तिरुपुर परिधान निर्यात इकाइयों की औसत क्षमता का उपयोग लगभग 60% है।

(ग): मंत्रालय द्वारा ऐसा कोई डेटा नहीं रखा जाता है।

(घ): सरकार वस्त्र क्षेत्र के विकास और व्यापार संवर्धन के लिए विभिन्न योजनाओं को क्रियान्वित कर रही है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ परिधान/गारमेंट्स और मेड-अप के निर्यात के लिए राज्य और केंद्रीय करों और लेवी (आरओएससीटीएल) की छूट, निर्यात किए गए उत्पाद (आरओडीटीईपी) पर शुल्क और करों की छूट, उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, प्रधानमंत्री मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान (पीएम मित्र), समर्थ -(वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए योजना), सिल्क समग्र, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम, एकीकृत ऊन विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन शामिल हैं।

***